हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा बोर्ड.
सत्र अक्तूबर, 2014

पेपर 2 व 4 हिन्दी

समयः 2 घन्टे अंक : 60

नोटः– (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(2) प्रत्येक प्रश्न के अंक कोष्ठक में दर्शाये गऐ हैं।

प्रश्न–1 निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांस का हिन्दी में अनुवाद कीजिऐ :–

Climate change would have consequences that the world would endure for all time. Now climate change has come to affect every one. The views of one set of scientists about the impact and intensity of climate change may differ from those of other scientists, but facts are lying before all of us. The scientific journals all over the world no longer publish article on wheather humans should be blamed for all the undoing. They stress only one point that we have very little time left to limit the damage and the world should respond in a positive way to tackle this problem. Hitherto, the world's response has been feeble and half hearted on some pretext or other. We have consciously tried to ignore the fact that we have to buy things keeping in mind their utility, in accordance with their ecological effects; we have to use only those forms of energy which are costlier that we generally use, but eco friendly and which do not do any harm to nature and that too, only when we really need them i.e. sparingly. The shift to a low carbon society promises the prospect of more opportunity than sacrifice, it is an undeniable fact. We are not going to die after all, if we change our food habits, travel without emitting green house gasses.

(15)

प्रश्न–2 निम्नलिखित गद्यांस कह सरल हिन्दी में व्याख्या करें।:–

भारत की संस्कृति विश्व की प्राचीनतम, चिरन्तन और प्रवाहमयी संस्कृतियों में से एक है। भारतीय संस्कृति की प्राचीनता में ईतिहासज्ञों के लिये भी विवाद का अवसर शेष नहीं रहा। यही नहीं भारतीय संस्कृति अपने कतिपय विशिष्ठ गुणों के कारण सर्वश्रेष्ठ कही जा सकती है। हमारे देश के प्राचीनतम ग्रन्थ वेद हैं। वेदों से प्राचीन ग्रन्थ संसार भर में नहीं है। वर्तमान भारतीय संस्कृति का मूल यह वैदिक संस्कृति ही है, जो आर्यों की महानतम साधनाओं का परिचायक है।

आध्यात्किता भारतीय संस्कृति का मेरूदण्ड है। भारतीय संस्कृति का मूलभूत स्वरूप आध्यात्म प्रवीणता है। इस संस्कृति में शरीर की अपेक्षा आत्मा को लोक की अपेक्षा परालोक को एवं काम की अपेक्षा मोक्ष को अधिक महत्व दिया गया है। आत्मा को सर्व व्यापक माना गया है। अजर अमर माना गया है। चींटी से कुंजर तक सबमें समान आत्मा का विस्तार माना जाता है समता में इसी दृढ. विश्वास के कारण भारतीय संस्कृति सम्पूर्ण वसुधा को एक कुटुम्ब मानती है। बाहा भेद होते हुए भी इन विभिन्न दार्शनिकवादों में मूलभूत ईकाई आसानी से ढुंढी जा सकती है। आत्मा का परमात्मा को प्राप्त करना ही यह मूल ईकाई है। इसलिये यहॉ की संस्कृति में आध्यात्मिकतावाद की प्रधानता हो गई है।

(15)

पृष्ठ 2 पर जारी

प्रश्न–3 बिजली संकट से उत्पन असुविधाओं का वर्णन करते हुए बिजली बोर्ड. के अध्यक्ष को पत्र लिखें।

अथवा

जिलाधीश को पत्र लिखकर अपने गॉव में पशु औषधालय खोलने के लिये आवेदन करें। **(10)**

प्रश्न–4 निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य बनायें :–

(1) खोदा पहाड. निकली चुहिया।
(2) कलई खुलना।
(3) सॉप को दूध पिलाना।
(4) बाल की खाल उतारना।
(5) आम के आम गुटली के दाम। **(5)**

प्रश्न–5 निम्नलिखित में से किन्हीं पॉच शब्दों के अर्थ लिखें:–

(1) De-novo
(2) Res Judicata
(3) Nutrition
(4) Devaluation
(5) Analogy
(6) Amendment
(7) Corrigendum
(8) Status quo **(5)**

प्रश्न–6 निम्नलिखित के लिये एक शब्द लिखें:–

(1) जो सर्वत्र विद्यमान हो।
(2) जिसके समान कोई दूसरा न हो।
(3) जो दूसरों के दोष निकालता हो।
(4) जिसको देखा न जा सके।
(5) जो सबकुछ जानता हो। **(5)**

प्रश्न:–7 निम्नलिखित में से पॉच पयार्यवाची शब्द लिखें:–
(कम से कम प्रत्येक के तीन–तीन पयार्यवाची शब्द लिखें)

(क) सूर्य
(ख) पृथ्वी
(ग) गणेश
(घ) आकाश
(ड) जल
(च) पत्नि
(छ) अमृत **(5)**